तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 33/2021)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 18 जून, 2021

(www.trai.gov.in)

31 मार्च, 2021 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1180.96**	**20.24**	**1201.20**
मार्च, 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	13.25	0.05	13.30
मासिक वृद्धि दर	1.13%	0.26%	1.12%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**645.20**	**18.57**	**663.77**
मार्च, 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.96	0.10	6.06
मासिक वृद्धि दर	0.93%	0.53%	0.92%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**535.75**	**1.67**	**537.42**
मार्च, 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	7.29	-0.04	7.24
मासिक वृद्धि दर	**1.38%**	**-2.60%**	**1.37%**
समग्र दूरसंचार–घनत्व*	86.68%	1.49%	88.17%
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	137.08%	3.95%	141.03%
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	60.08%	0.19%	60.27%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.63%	91.76%	55.26%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.37%	8.24%	44.74%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**755.35**	**22.75**	**778.09**

- मार्च, 2021 के माह में 12.74 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने की तिथि से फरवरी, 2021 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 563.92 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 576.67 मिलियन हो गया।

- मार्च, 2021 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 993.92 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2021 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,187.90 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 1,201.20 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.12 प्रतिशत दर्ज की गयी। फरवरी, 2021 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 657.72 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 663.77 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 530.18 मिलियन से बढ़कर 537.42 मिलियन हो गई। मार्च, 2021 माह के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर 0.92 प्रतिशत तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की वृद्धि दर 1.37 प्रतिशत रही।

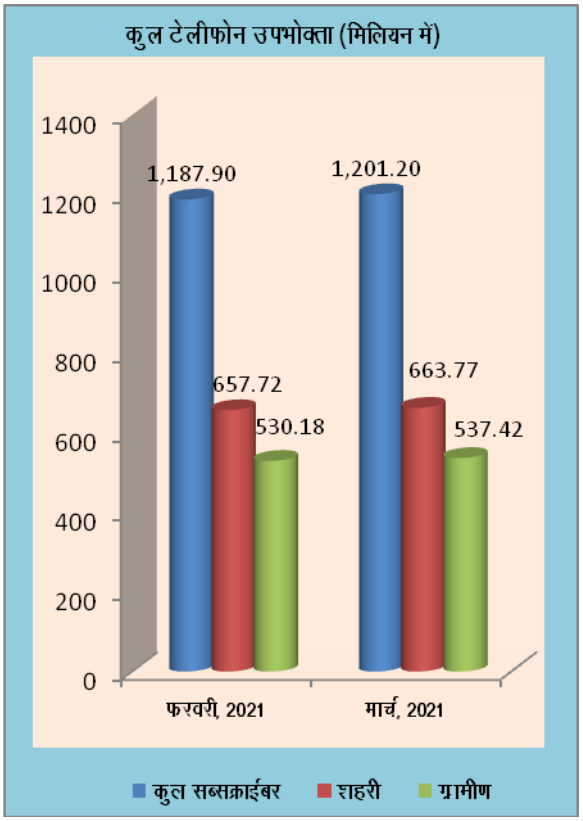

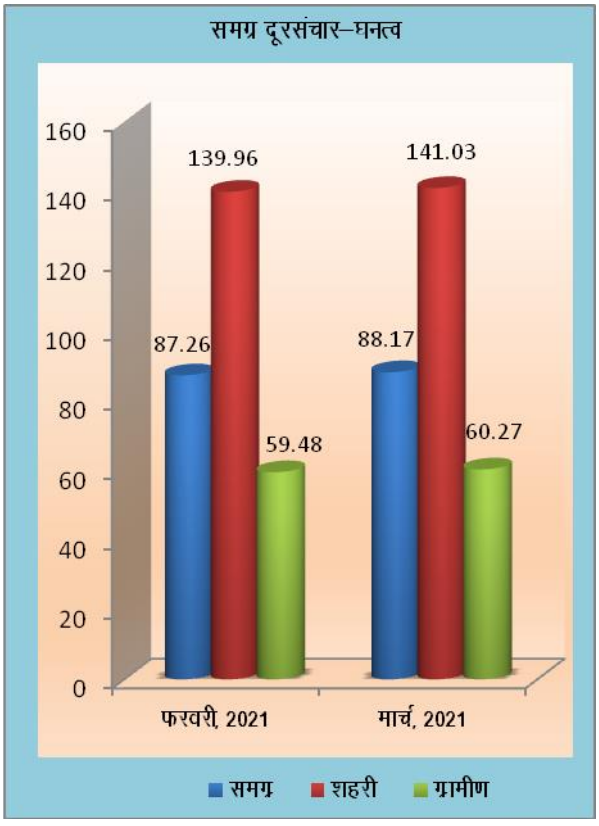

- फरवरी, 2021 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 87.26 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 88.17 प्रतिशत हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2021 के अंत तक 139.96 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 141.03 प्रतिशत हो गया और ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी फरवरी, 2021 के अंत तक 59.48 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 60.27 प्रतिशत हो गया। मार्च, 2021 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 55.26 प्रतिशत तथा 44.74 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार–घनत्व

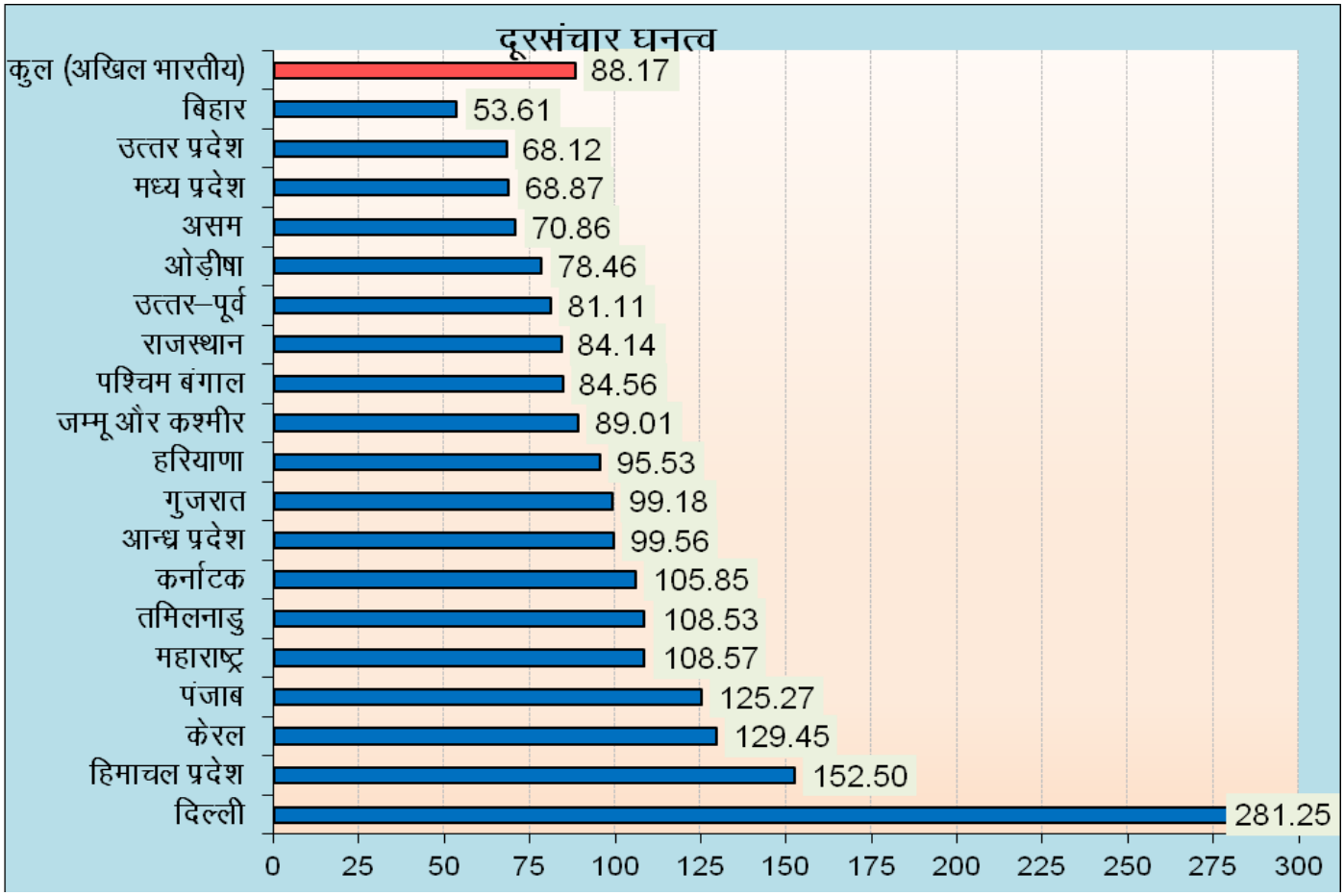

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि मार्च, 2021 के अंत में आठ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 281.25 प्रतिशत रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 53.61 प्रतिशत रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

मार्च, 2021 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मार्च, 2021 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-39,123	4,576,387	7,666,196	404,454,627
श्रेणी – ख	19,871	4,412,703	4,504,217	476,413,100
श्रेणी – ग	22,237	1,976,755	943,858	181,211,292
महानगर	50,051	2,281,705	7,125,398	118,877,118
अखिल भारतीय	**53,036**	**13,247,550**	**20,239,669**	**1,180,956,137**

मार्च, 2021 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2021 से, मार्च 2021 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) मार्च, 2020 से मार्च, 2021 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.51%	1.14%	-2.07%	1.57%
श्रेणी – ख	0.44%	0.93%	-1.36%	2.18%
श्रेणी – ग	2.41%	1.10%	13.92%	2.77%
महानगर	0.71%	1.96%	1.86%	1.64%
अखिल भारतीय	**0.26%**	**1.13%**	**0.11%**	**2.00%**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मार्च, 2021 माह के दौरान मासिक एवं वार्षिक आधार पर वायरलेस सेवा क्षेत्र के सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन सेवा क्षेत्र में मार्च, 2021 माह के दौरान मासिक आधार पर सेवा क्षेत्र 'क' को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर केवल श्रेणी 'ग' एवं 'महानगर' के सेवा क्षेत्र के उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2021 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,167.71 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 1,180.96 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.13 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2021 के अंत तक 639.24 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 645.20 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या भी 528.47 मिलियन से बढ़कर 535.75 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर 0.93 प्रतिशत तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर 1.38 प्रतिशत रही।

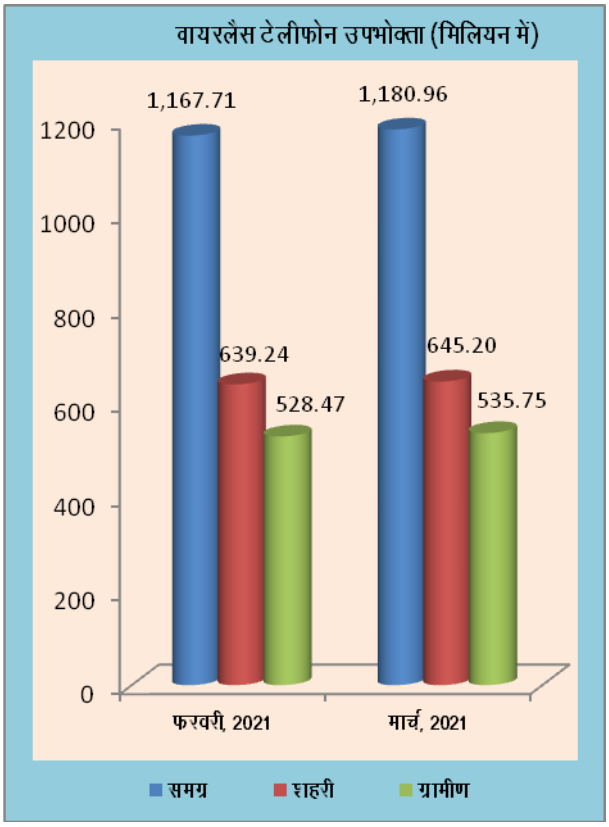

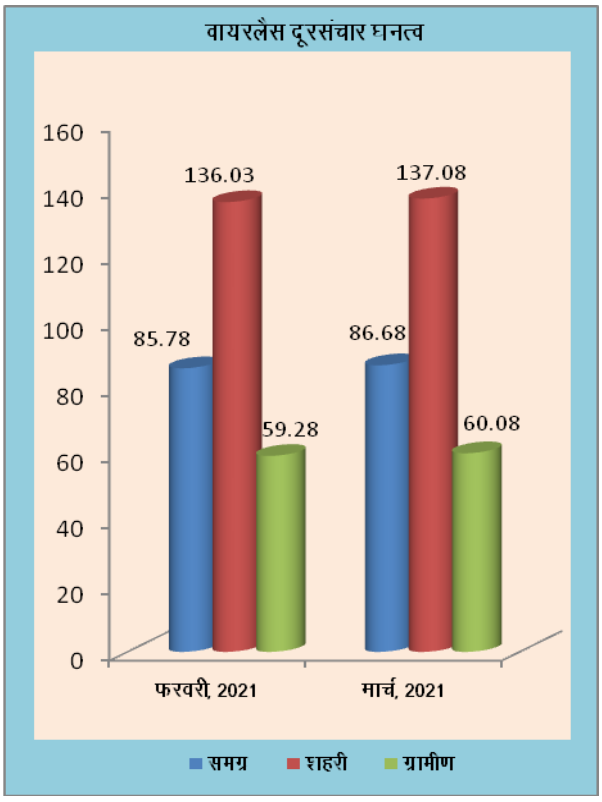

- फरवरी, 2021 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 85.78 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 86. 68 हो गया। शहरी क्षेत्रों में फरवरी, 2021 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 136.03 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 137.08 प्रतिशत हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 59.28 से बढ़कर 60.08 हो गया। मार्च, 2021 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 54.63 प्रतिशत तथा 45.37 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.68 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.32 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।
- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

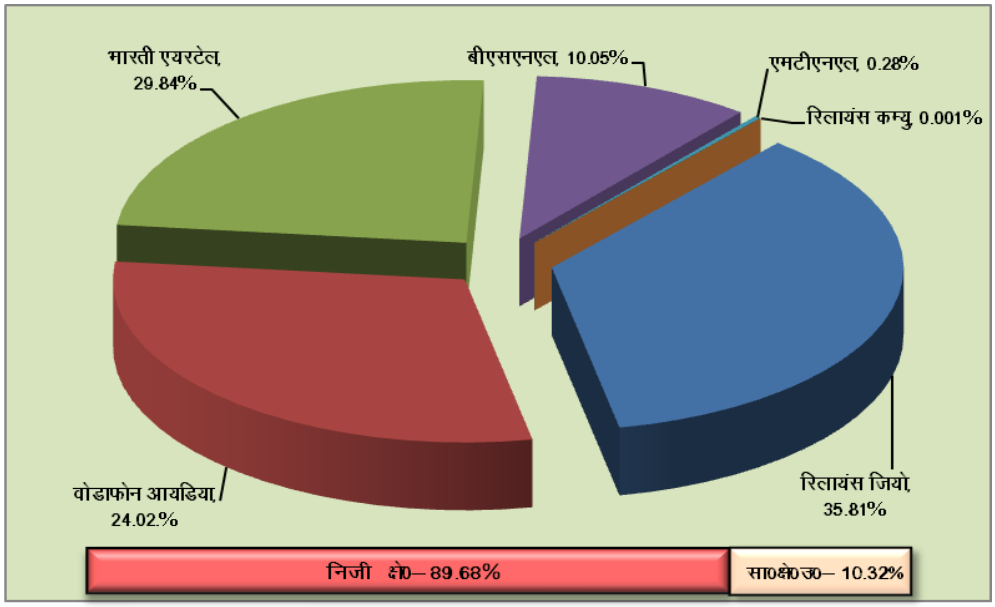

मार्च, 2021 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

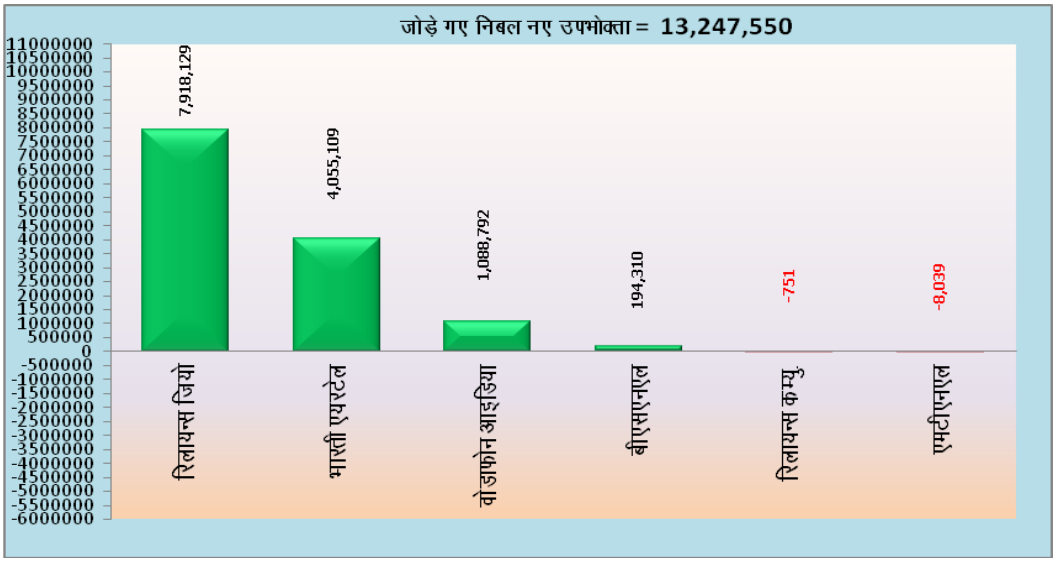

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह से अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि

मार्च, 2021 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

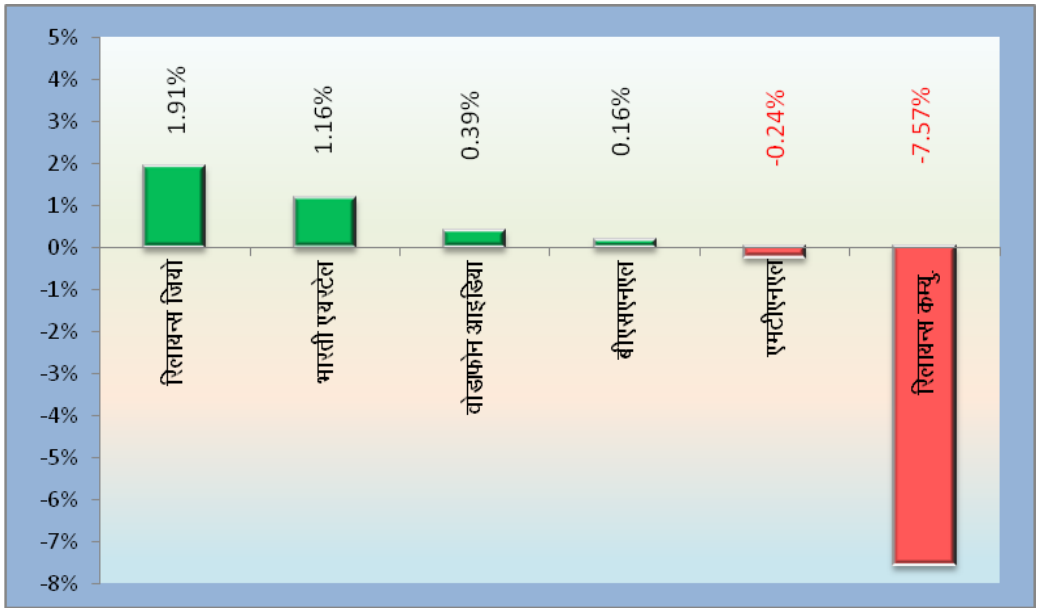

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

मार्च, 2021 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

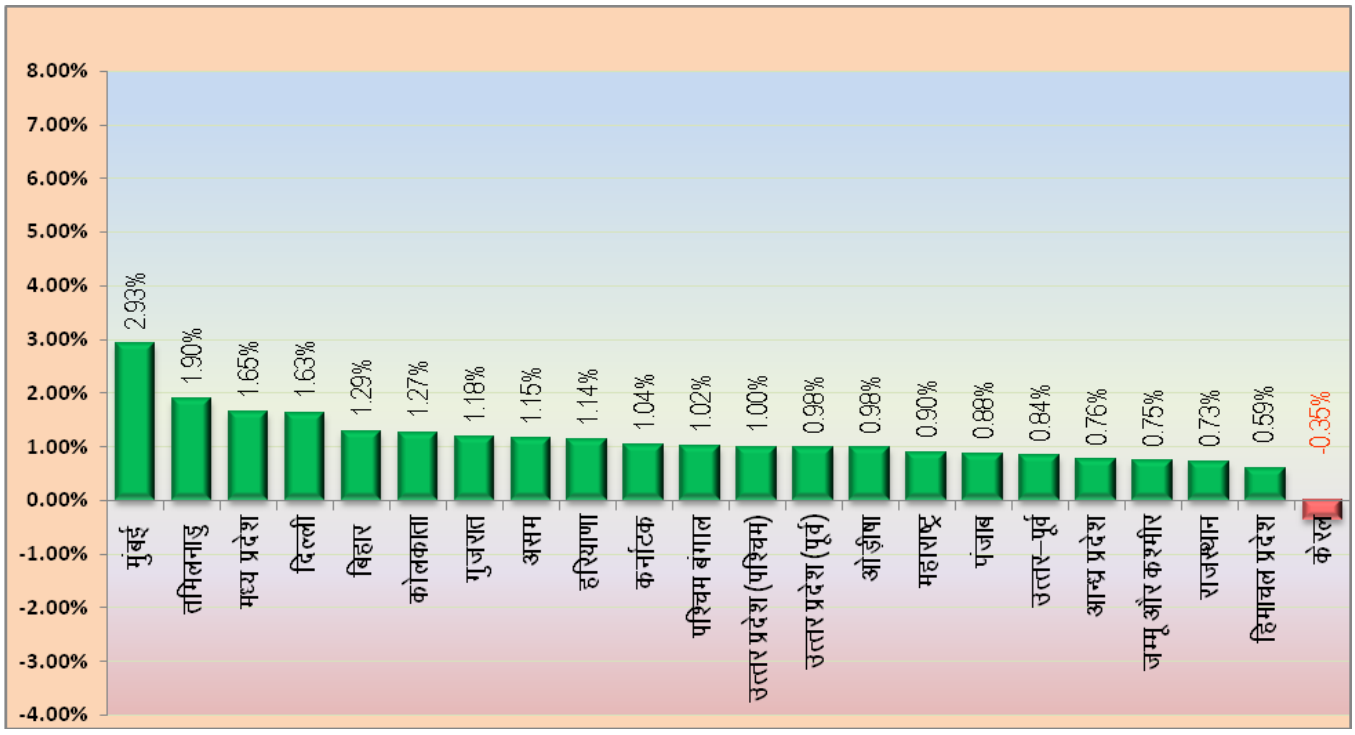

- मार्च, 2021 माह के दौरान केरल सेवा क्षेत्र को छोड़कर सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान मुम्बई सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 2.93 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

V. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- मार्च, 2021 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,180.96 मिलियन) में से 993.92 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 84.16 प्रतिशत था।

- मार्च, 2021 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

मार्च, 2021 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

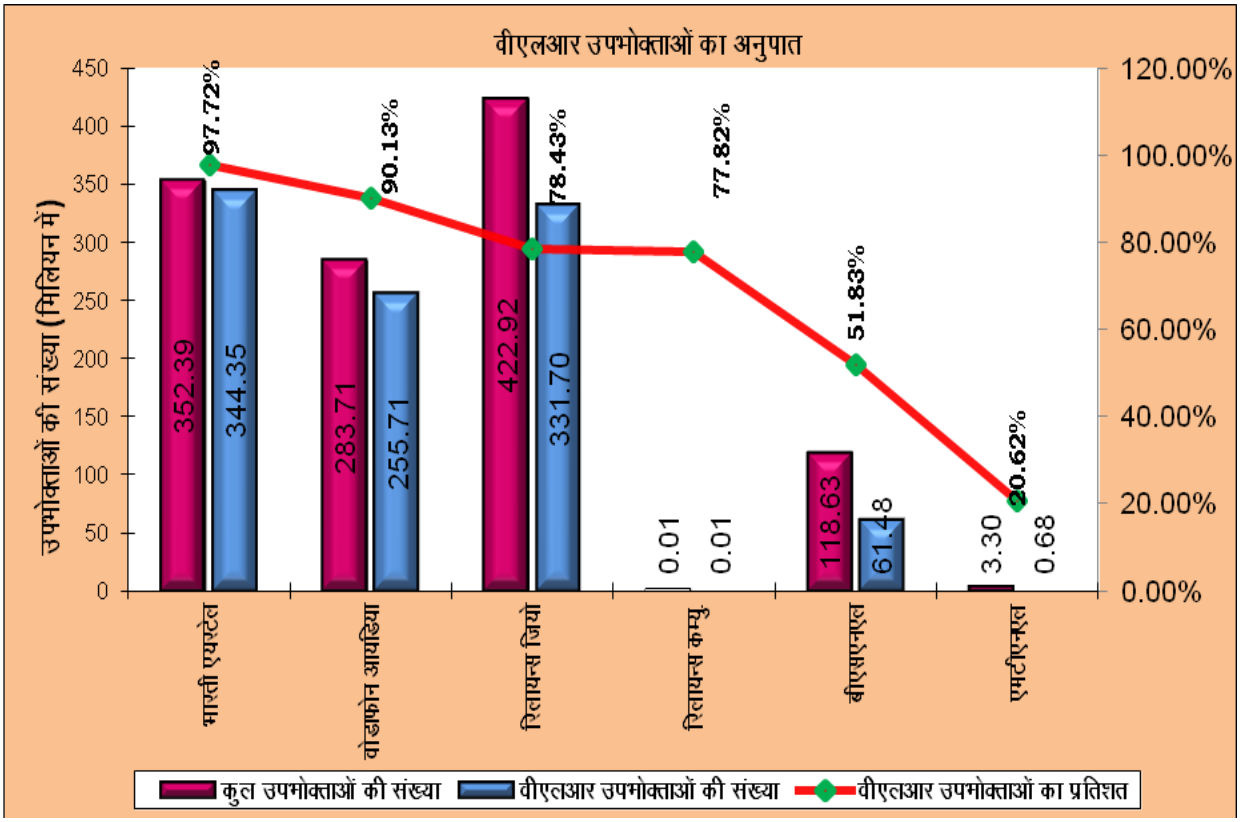

- मार्च, 2021 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 97.72 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 20.62 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

मार्च, 2021 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

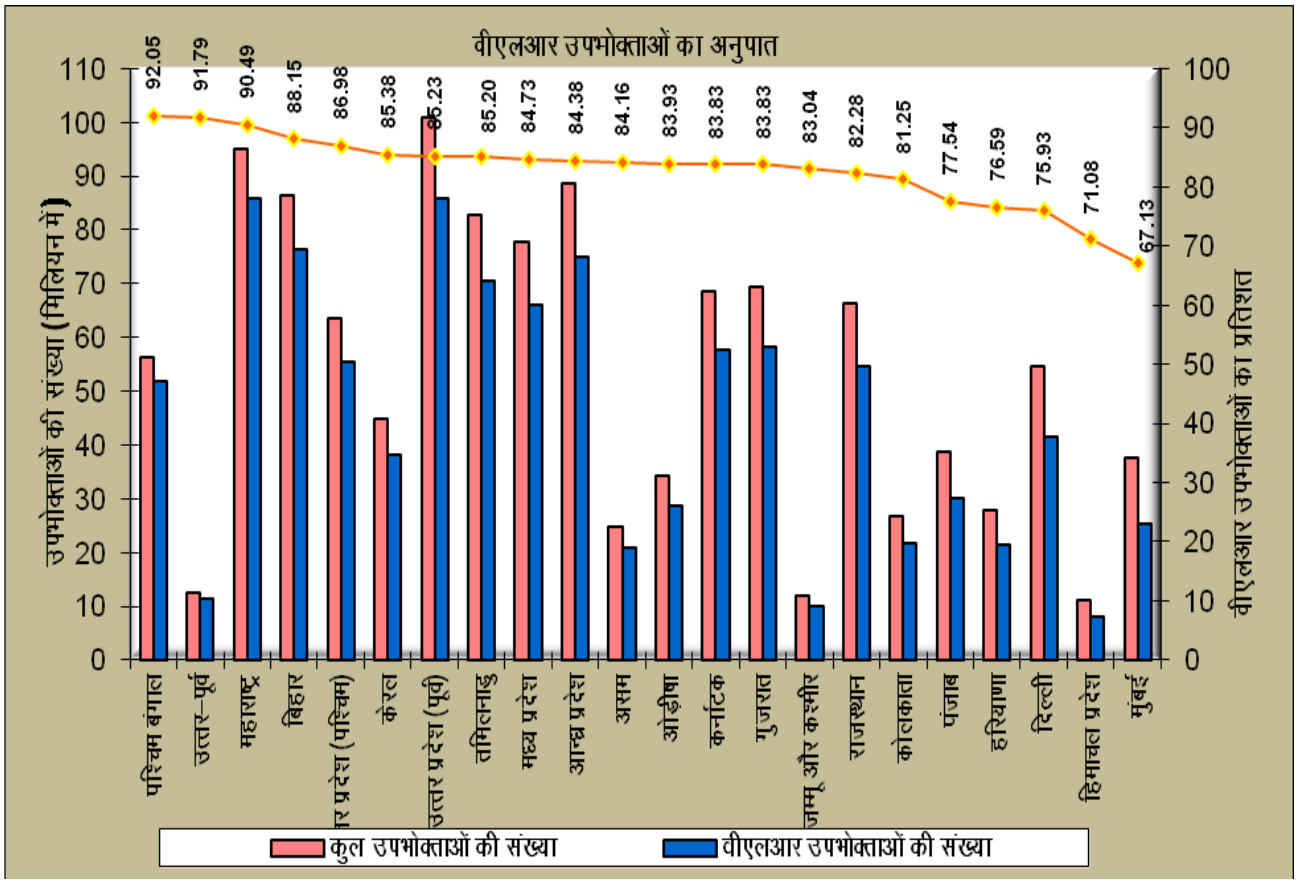

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंत:सेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मार्च, 2021 के माह में कुल 12.74 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 12.74 मिलियन अनुरोधों में से 7.35 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 5.40 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध फरवरी, 2021 के अंत तक 563.92 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 576.67 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 47.14 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद राजस्थान में (लगभग 42.42 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 48.05 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 45.94 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	फरवरी, 21	मार्च–21		फरवरी, 21	मार्च–21
दिल्ली	28.06	28.64	आन्ध्र प्रदेश	45.30	45.94
गुजरात	37.79	38.59	असम	4.09	4.15
हरियाणा	19.52	19.84	बिहार	25.36	26.37
हिमाचल प्रदेश	2.69	2.73	कर्नाटक	47.53	48.05
जम्मू और कश्मीर	1.30	1.32	केरल	15.16	15.40
महाराष्ट्र	46.05	47.14	कोलकाता	12.43	12.59
मुंबई	25.27	25.49	मध्य प्रदेश	39.80	40.89
पंजाब	21.63	21.98	उत्तर–पूर्व	1.55	1.56
राजस्थान	41.57	42.42	ओड़ीशा	11.05	11.31
उत्तर प्रदेश–पूर्व	36.13	37.93	तमिलनाडु	44.50	44.97
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	29.01	30.27	पश्चिम बंगाल	28.15	29.07
कुल	**289.02**	**296.36**	कुल	**274.91**	**280.30**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**563.92**	**576.67**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (मार्च, 2021 माह में)				**12.74** मिलियन	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2021 के अंत तक 20.19 मिलियन से बढ़कर, मार्च, 2021 के अंत तक 20.24 मिलियन हो गई। इस माह में 0.264 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.05 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई। मार्च, 2021 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 91.76 प्रतिशत तथा 8.24 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2021 के अंत 1.48 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत तक 1.49 हो गया । इसी समय के दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 3.95 प्रतिशत तथा 0.19 प्रतिशत रहा।

- 31 मार्च, 2021 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 47.20 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। मार्च, 2021 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

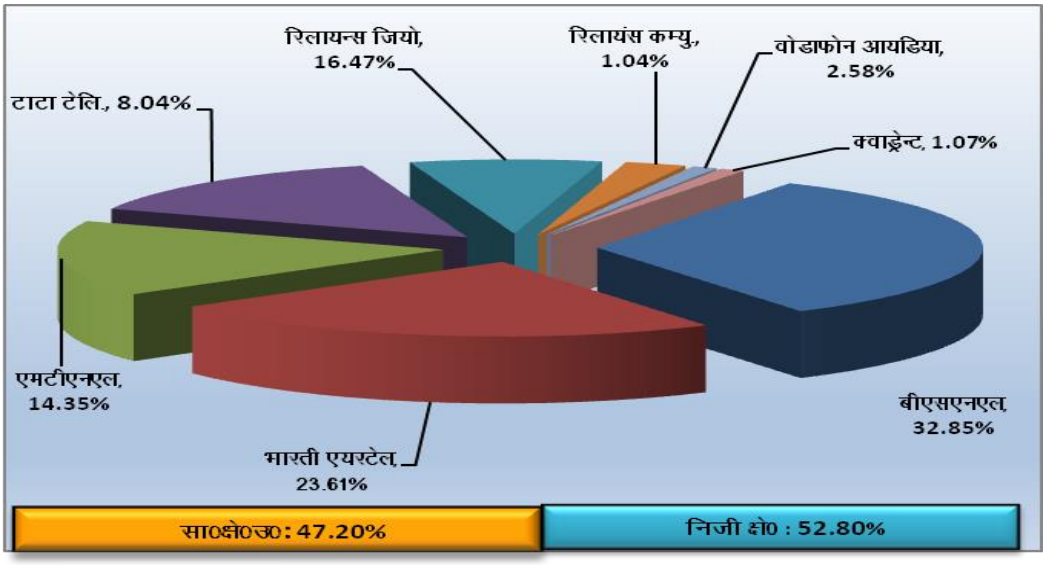

मार्च, 2021 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

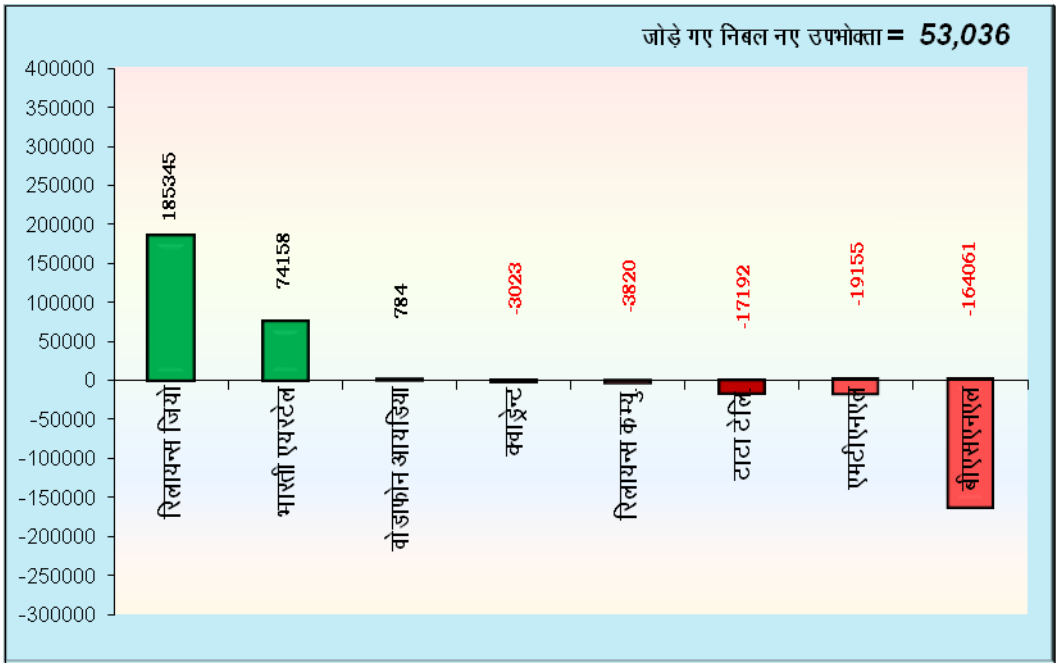

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- मार्च माह में 421 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फरवरी, 2021 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 765.09 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2021 के अंत में 778.09 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.70 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है: –

  मार्च, 2021 के माह की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		मार्च, 2021 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 28 फरवरी, 2021 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	22.26	22.75	2.22%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	742.19	754.67	1.68%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.65	0.67	3.48%
कुल	**765.09**	**778.09**	**1.70%**

- मार्च, 2021 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.82 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (425.51 मिलियन), भारती एयरटेल (191.93 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (123.61 मिलियन), बीएसएनएल (26.04 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.85 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन + वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

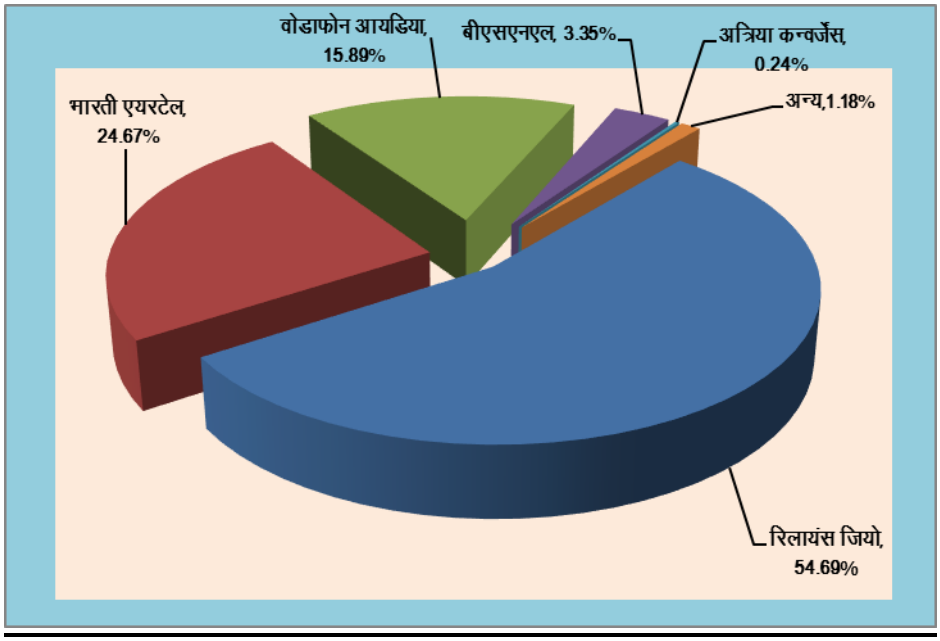

- दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (6.82 मिलियन), भारती एयरटेल (3.09 मिलियन), रिलायंस जियो (2.60 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेस टेक्नॉलाजी (1.85 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (1.07 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (422.92 मिलियन), भारती एयरटेल (188.84 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (123.60 मिलियन), बीएसएनएल (19.22 मिलियन) तथा तिकोना इनफिनिट लि. (0.32 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23234367
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः advfea2@trai.gov.in

(राजीव सिन्हा)
सचिव प्रभारी, भा.दू.वि.प्रा.

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21
आन्ध्र प्रदेश	31031131	31320614	1129	1029	15818541	15752480	9662168	9686428					31551417	31972495	**88064386**	**88733046**
असम	9100301	9238358			3235350	3203509	3009116	3033066					9092078	9243798	**24436845**	**24718731**
बिहार	35605997	35992515	176	169	12122243	12113773	5882003	5845757					31754296	32515243	**85364715**	**86467457**
दिल्ली	16185271	16429584	511	473	15856412	16219011					2165334	2161329	19470227	19743775	**53677755**	**54554172**
गुजरात	11986907	12097288	196	196	25082556	25254129	5898496	5906595					25631164	26151330	**68599319**	**69409538**
हरियाणा	5386412	5479581	86	84	8118660	8256208	5061363	5055231					8998423	9087484	**27564944**	**27878588**
हिमाचल प्रदेश	3341977	3363193	96	96	683441	674361	3013128	3021606					4087620	4132426	**11126262**	**11191682**
जम्मू और कश्मीर	5594198	5623564	0	0	497391	499253	1263252	1270192					4593889	4645034	**11948730**	**12038043**
कर्नाटक	30393391	30624712	1891	1776	9179916	9219033	7232679	7214006					21123209	21577501	**67931086**	**68637028**
केरल	6725494	6793854	479	461	17282799	16934704	10927773	10912516					10060424	10196287	**44996969**	**44837822**
कोलकाता	5918026	5916041	28	28	6872486	7003470	2492335	2536248					11055992	11218010	**26338867**	**26673797**
मध्य प्रदेश	15239572	15417273	509	358	21393666	21630851	6258650	6310875					33716180	34515319	**76608577**	**77874676**
महाराष्ट्र	18857112	19104894	453	413	32290387	32234994	6868164	6824196					36046728	36747170	**94062844**	**94911667**
मुंबई	10025049	10082609	924	869	10472239	11327047					1138726	1134692	14941853	15103932	**36578791**	**37649149**
उत्तर–पूर्व	5374480	5430407	0	0	1428357	1407306	1373933	1370848					4170356	4242689	**12347126**	**12451250**
ओड़ीशा	11113045	11177746	217	201	2417391	2364640	6427012	6476145					14053194	14325397	**34010859**	**34344129**
प्जाब	11537940	11651761	349	345	8628408	8683278	5791161	5759876					12540321	12739934	**38498179**	**38835194**
राजस्थान	21809479	21955246	319	309	12239089	12248986	6392508	6398967					25377992	25693559	**65819387**	**66297067**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	26568948	27090503	936	762	19078428	19285654	10886270	10998776	97884	98835			24588139	25288818	**81220605**	**82763348**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	34698177	35273025	422	409	22916343	22693255	11555798	11480009					30607236	31311492	**99777976**	**100758190**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	16596231	16936781	262	261	19945229	19763003	5814474	5876920					20629748	21039748	**62985944**	**63616713**
पश्चिम बंगाल	15249529	15394227	943	936	17065473	16944652	2526005	2551390					20906471	21423645	**55748421**	**56314850**
कुल	348338667	352393776	9926	9175	282624805	283713597	118336288	118529647	97884	98835	3304060	3296021	414996957	422915086	**1167708587**	**1180956137**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**4055109**		**-751**		**1088792**		**193359**		**951**		**-8039**		**7918129**	**0**	**13247550**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	***164886315***	***168627301***	***0***	***0***	***150140922***	***149930551***	***37798661***	***37838495***	***0***	***0***	***45255***	***45172***	**175594997**	**179312359**	**528466150**	**535753878**

अनुलग्नक–**II**

मार्च, 2021 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	96.02	58.20	90.69		108.55	77.81	**84.38**
असम	99.73	46.54	91.23		-	78.49	**84.16**
बिहार	97.08	48.42	81.26		103.38	87.97	**88.15**
दिल्ली	92.73		76.51	13.15	78.06	68.33	**75.93**
गुजरात	100.15	51.35	92.24		78.06	75.49	**83.83**
हरियाणा	109.05	35.77	89.55		71.43	67.96	**76.59**
हिमाचल प्रदेश	100.40	35.73	101.72		32.29	68.06	**71.08**
जम्मू और कश्मीर	94.21	55.65	86.02		-	76.68	**83.04**
कर्नाटक	93.29	51.10	88.22		79.73	79.47	**83.83**
केरल	100.81	67.58	96.14		50.33	76.28	**85.38**
कोलकाता	94.33	37.96	84.52		-	82.10	**81.25**
मध्य प्रदेश	96.52	45.28	86.00		95.81	85.89	**84.73**
महाराष्ट्र	103.51	58.56	96.78		108.47	84.12	**90.49**
मुंबई	77.94		76.05	34.84	102.53	55.64	**67.13**
उत्तर–पूर्व	103.40	66.63	88.35		-	86.19	**91.79**
ओड़ीशा	100.40	59.74	92.65		24.38	80.57	**83.93**
पंजाब	102.21	41.60	91.79		39.13	61.53	**77.54**
राजस्थान	98.04	45.05	91.90		49.51	73.51	**82.28**
तमिलनाडु	95.12	66.25	92.89		149.34	77.02	**85.20**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	100.92	36.79	88.60		45.97	82.88	**85.23**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	106.11	43.52	92.65		12.26	78.40	**86.98**
पश्चिम बंगाल	97.40	74.49	98.60		20.62	85.13	**92.05**
कुल	**97.72**	**51.83**	**90.13**	**20.62**	**77.82**	**78.43**	**84.16**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21	फरवरी, 21	मार्च, 21
आन्ध्र प्रदेश	569252	561771			255015	259061	22522	22340	159764	159486			54390	51180	332909	356143	**1393852**	**1409981**
असम	82846	82206											3420	3390	44042	47332	**130308**	**132928**
बिहार	129507	130408					20	20	7353	7469			1770	1740	90851	99896	**229501**	**239533**
दिल्ली			1323967	1319143	1541281	1556389	34968	34006	139643	137712			68294	86514	250723	260128	**3358876**	**3393892**
गुजरात	489127	466470			120160	121065	4700	4567	80591	79722			35792	39767	231532	239304	**961902**	**950895**
हरियाणा	129408	127004			30828	31502	3	2	35840	35504			360	360	112464	120641	**308903**	**315013**
हिमाचल प्रदेश	76575	75707				0	3	3	1706	1709			30	30	10122	11586	**88436**	**89035**
जम्मू और कश्मीर	87797	87435				0	0	0	0	0			0	0	76648	80841	**164445**	**168276**
कर्नाटक	730480	721542			802874	812574	27048	26395	258465	249104			97552	86462	251652	259694	**2168071**	**2155771**
केरल	1057548	1033144			66490	67176	5724	5699	19066	18969			7490	8390	68879	73093	**1225197**	**1206471**
कोलकाता	320102	316756			149702	153326	7169	7659	46673	46249			13460	14930	128335	135866	**665441**	**674786**
मध्य प्रदेश	263061	255109			267522	271690	5	5	11233	11220			3645	2360	169731	179532	**715197**	**719916**
महाराष्ट्र	785288	737346			152521	159620	12621	12530	226790	226181			29008	26998	91439	99663	**1297667**	**1262338**
मुंबई			1598777	1584446	396086	403492	65962	64202	490990	488125			123672	120041	375543	396414	**3051030**	**3056720**
उत्तर–पूर्व	68088	67455											270	330	31543	34738	**99901**	**102523**
ओड़िशा	149969	148145					6	6	8078	8116			6510	6540	44467	48756	**209030**	**211563**
पंजाब	231578	227116			149815	152738	1993	1995	12464	12381	219451	216428	2280	2175	89704	93576	**707285**	**706409**
राजस्थान	252667	246388			77253	82247	4605	4576	11796	11746			8490	7510	110559	118267	**465370**	**470734**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	870785	857270			565496	573648	26765	26289	118979	118390			38420	35300	263382	276314	**1883827**	**1887211**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	171291	162235			79694	81891	23	23	7551	7642			19820	20460	131839	139826	**410218**	**412077**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	147246	145503			49395	51871	8	8	4407	4450			5780	6760	190827	205746	**397663**	**414338**
पश्चिम बंगाल	200885	200429					3	3	2328	2350			120	120	51177	56357	**254513**	**259259**
कुल	**6813500**	**6649439**	**2922744**	**2903589**	**4704132**	**4778290**	**214148**	**210328**	**1643717**	**1626525**	**219451**	**216428**	**520573**	**521357**	**3148368**	**3333713**	**20186633**	**20239669**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		**-164061**		**-19155**		**74158**		**-3820**		**-17192**		**-3023**		**784**		**185345**		**53036**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**1621689**	**1575018**	**0**	**0**	**0**	**0**	**180**	**180**	**40259**	**40146**	**28628**	**28107**	**0**	**0**	**21435**	**24292**	**1712191**	**1667743**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————